GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 2
March - April: 2026

डाइट शिक्षा संस्थान की उच्च प्राथमिक शिक्षा के विकास में चुनौतियों का अध्ययन

शोध पर्यवेक्षक	शोध सह-पर्यवेक्षक	पीएच.डी. शोधार्थी
डॉ. सुजन कुमार पटेल सहायक प्रोफेसर माधव विश्वविद्यालय, पिंडवाड़ा, सिरोही, राजस्थान	डॉ. मुकेश शर्मा प्राचार्य, सेंट मीरा शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, नाथद्वारा, राजसमंद	नीतू शर्मा माधव विश्वविद्यालय, पिंडवाड़ा, सिरोही राजस्थान

मुख्य शब्द : डाइट, डी.एल.एड. प्रशिक्षणार्थी, डाइट व्याख्याता, सेवारत शिक्षक, प्राचार्य, चुनौतियाँ आदि।

सार संक्षेप

प्रस्तुत शोध डाइट शिक्षा संस्थान की उच्च प्राथमिक शिक्षा के विकास में आने वाली चुनौतियों का अध्ययन जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के डी.एल.एड. प्रशिक्षणार्थियों, डाइट व्याख्याताओं, सेवारत शिक्षकों एवं डाइट प्राचार्य के अभिमत पर केन्द्रित है। शोध में राजस्थान राज्य के चार जिलों उदयपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़ एवं भीलवाड़ा जिले की डाइट से 320 डी.एल.एड. प्रशिक्षणार्थियों, 40 डाइट व्याख्याताओं एवं 04 डाइट प्राचार्यगणों का सोद्देश्य चयन विधि द्वारा तथा 200 सेवारत शिक्षकों का चयन यादृच्छिक प्रतिचयन विधि से किया गया है।

प्रस्तुत अध्ययन में डाइट शिक्षा संस्थान की उच्च प्राथमिक शिक्षा के विकास में आने वाली चुनौतियों का अध्ययन करने के लिए डी.एल.एड. प्रशिक्षणार्थियों एवं सेवारत शिक्षकों हेतु स्वनिर्मित खुली प्रश्नावली का तथा डाइट प्राचार्य एवं विभागाध्यक्ष / व्याख्याताओं के लिए साक्षात्कार अनुसूची का प्रयोग किया गया। प्रतिशत सांख्यिकीय तकनीक का उपयोग दत्त विश्लेषण के लिए किया गया है। प्रस्तुत शोध के परिणाम स्पष्ट करते हैं कि समग्र रूप से डी.एल.एड. प्रशिक्षणार्थियों, डाइट व्याख्याताओं, सेवारत शिक्षकों एवं डाइट प्राचार्य ने डाइट शिक्षा संस्थान की उच्च प्राथमिक शिक्षा के विकास में चुनौतियों के अंतर्गत प्रशिक्षण की गुणवत्ता संबंधी चुनौतियों, नई शिक्षण पद्धतियों को समझने और उन्हें अपने शिक्षण में लागू करने संबंधी चुनौतियों का सर्वाधिक सामना किया है।

ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 2
March - April: 2026

समस्या की पृष्ठभूमि, औचित्य एवं महत्व

सरकार ने जिन अभिशंसाओं के तहत डाइट की स्थापना की है, डाइट इन कार्यों में कहाँ तक सफल हुई? प्रशिक्षण कार्यक्रमों व नवाचारों को कहाँ तक लागू कर रही है? इस जानकारी की दृष्टि से भी समस्या के चयन का औचित्य दिखाई देता है। यह शोध कार्य शिक्षकों की दृष्टि से भी अत्यधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि विद्यालय में शिक्षा नीति क्रियान्वयन का कार्य शिक्षक का होता है।

डाइट शिक्षा संस्थाओं की शिक्षा के विकास में चुनौतियों की जानकारी होने से विद्यालय में सभी गतिविधियाँ सुचारू रूप से गतिमान हो सकेंगी व विद्यार्थी सही ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। जिन उद्देश्यों को लेकर डाइट की स्थापना की गई है, वह इन उद्देश्यों की प्राप्ति में कहाँ तक सफल हुई है तथा डाइट के कार्यक्रमों को आयोजित करने संबंधी समस्याओं के समाधान हेतु सुझाव प्राप्त करने में भी समस्या का चयन महत्वपूर्ण है।

शोध शीर्षक

डाइट शिक्षा संस्थान की उच्च प्राथमिक शिक्षा के विकास में चुनौतियों का अध्ययन।

शोध के उद्देश्य

1. डाइट द्वारा चलाये जा रहे सेवापूर्व कार्यक्रमों में डी.एल.एड. प्रशिक्षणार्थियों की चुनौतियों का अध्ययन करना।
2. डाइट द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रमों में डाइट व्याख्याताओं की चुनौतियों का अध्ययन करना।
3. डाइट द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रमों में सेवारत शिक्षकों की चुनौतियों का अध्ययन करना।
4. डाइट द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रमों में डाइट प्राचार्य की चुनौतियों का अध्ययन करना।

समस्या का परिभाषीकरण

1. डाइट

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान से तात्पर्य उस संस्थान से है जो प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक शिक्षा के उन्नयन के लिए गुणात्मक सुधार व शैक्षिक नवाचार एवं प्रयोग संबंधी कार्य करती है तथा प्राथमिक स्तर पर शिक्षकों में व्यावसायिक दक्षता बढ़ाने हेतु प्रशिक्षण देती है।

2. उच्च प्राथमिक शिक्षा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 की कार्य योजना में प्रारंभिक शिक्षा के विकास हेतु अनेक उद्देश्य निर्धारित किये गये।

3. चुनौतियाँ

चुनौतियों से तात्पर्य उन सभी परिस्थितियों अथवा प्रश्नों से है जिनको समझना अथवा जिनका समाधान करना मुश्किल होता है। प्रस्तुत शोध में चुनौतियों से तात्पर्य डाइट के प्रशिक्षण एवं विविध कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में आने वाली बाधाओं व समस्याओं से है।

परिसीमन

प्रस्तुत शोधकार्य का क्षेत्र राजस्थान राज्य के उदयपुर संभाग के चार जिलों उदयपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़ एवं भीलवाड़ा जिले की डाइट के विभागाध्यक्ष / व्याख्याता, D.El.Ed./BSTC प्रशिक्षणार्थियों, शिक्षकों एवं डाइट प्राचार्य तक ही सीमित रखा गया है।

न्यादर्श

प्रस्तुत शोध कार्य में राजस्थान राज्य के चार जिलों उदयपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़ एवं भीलवाड़ा जिले की डाइट से 320 डी.एल.एड. प्रशिक्षणार्थियों, 40 डाइट व्याख्याताओं एवं 04 डाइट प्राचार्यगणों का सोद्देश्य चयन तथा 200 सेवारत शिक्षकों का चयन कुल 40 प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों से यादृच्छिक प्रतिचयन विधि से किया गया।

विधि

प्रस्तुत शोध में सर्वेक्षण विधि का चयन किया गया।

उपकरण

प्रस्तुत अध्ययन में डी.एल.एड. प्रशिक्षणार्थियों एवं सेवारत शिक्षकों हेतु स्वनिर्मित खुली प्रश्नावली तथा डाइट प्राचार्य एवं विभागाध्यक्ष / व्याख्याताओं के लिए साक्षात्कार अनुसूची का प्रयोग किया गया।

सांख्यिकीय तकनीक

प्रस्तुत शोध कार्य में दत्त विश्लेषण के लिए प्रतिशत सांख्यिकीय तकनीक का उपयोग किया गया।

दत्त विश्लेषण

उद्देश्य संख्या-1

डाइट द्वारा चलाये जा रहे सेवापूर्व कार्यक्रमों में डी.एल.एड. प्रशिक्षणार्थियों की चुनौतियों का अध्ययन करना।

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 2
March - April: 2026

सारणी संख्या 1

डाइट द्वारा चलाये जा रहे सेवापूर्व कार्यक्रमों में डी.एल.एड. प्रशिक्षणार्थियों की चुनौतियाँ

क्र.सं.	डाइट द्वारा चलाये जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों में डी.एल.एड. प्रशिक्षणार्थियों की चुनौतियाँ	अनुत्तरित प्रतिशत	उत्तरदाता प्रतिशत
1	नई शिक्षण पद्धतियों को समझने और उन्हें अपने शिक्षण में लागू करने में चुनौती	11.88	88.12
2	अपने विषय में विशेषज्ञता हासिल करने और उसे प्रभावी ढंग से पढ़ाने में चुनौती	18.12	81.88
3	समय को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में चुनौती	24.06	75.94
4	आत्मविश्वास को बढ़ाने और प्रभावी ढंग से पढ़ाने में चुनौती	28.12	71.88
5	कक्षा प्रबंधन में चुनौती	30.00	70.00
6	मूल्यांकन और आकलन करने में चुनौती	34.06	65.94
7	प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार करने में चुनौती	38.12	61.88
8	संसाधनों की कमी जैसे पुस्तकालय और प्रौद्योगिकी की कमी	55.94	44.06
9	भाषा और सांस्कृतिक अंतर के कारण चुनौती	64.06	35.94
10	प्रैक्टिकल अनुभव प्राप्त करने में चुनौती	68.12	31.88
11	अन्य शिक्षकों और विशेषज्ञों के साथ नेटवर्किंग करने में चुनौती	71.88	28.12
12	आधुनिक तकनीक का उपयोग करने में चुनौती	74.06	25.94
13	विद्यार्थियों की विविधता के कारण चुनौती	78.12	21.88
14	शिक्षकों की भूमिका और जिम्मेदारियों को समझने में चुनौती	80.00	20.00
15	पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों को समझने तथा उपयोग करने में चुनौती	84.06	15.94
16	मूल्यांकन और परीक्षा प्रणाली को समझने तथा उपयोग करने में चुनौती	85.94	14.06
17	शिक्षण के नए तरीकों को समझने और उपयोग करने में चुनौती	85.94	14.06

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 2
March - April: 2026

क्र.सं.	डाइट द्वारा चलाये जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों में डी.एल.एड. प्रशिक्षणार्थियों की चुनौतियाँ	अनुत्तरित प्रतिशत	उत्तरदाता प्रतिशत
18	कक्षा में अनुशासन बनाए रखने में चुनौती	88.12	11.88
19	विद्यार्थियों को प्रेरित करने में चुनौती	91.88	8.12
20	शिक्षकों के पेशेवर विकास में चुनौती	95.94	4.06

सारणी संख्या 1 से निम्न परिणाम परिलक्षित होते हैं :-

डाइट द्वारा चलाये जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों में डी.एल.एड. प्रशिक्षणार्थियों की चुनौतियों के अंतर्गत नई शिक्षण पद्धतियों को समझने और उन्हें अपने शिक्षण में लागू करने संबंधी चुनौतियों का प्रतिशत सर्वाधिक 88.12 प्रतिशत प्राप्त हुआ। अन्य चुनौतियाँ इस प्रकार हैं- अपने विषय में विशेषज्ञता हासिल करने और उसे प्रभावी ढंग से पढ़ाने में चुनौती, समय को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में चुनौती, आत्मविश्वास को बढ़ाने और प्रभावी ढंग से पढ़ाने में चुनौती, कक्षा प्रबंधन में चुनौती, मूल्यांकन और आकलन करने में चुनौती, प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार करने में चुनौती, संसाधनों की कमी के कारण चुनौती जैसे कि पुस्तकालय और प्रौद्योगिकी की कमी, भाषा और सांस्कृतिक अंतर के कारण चुनौती, प्रैक्टिकल अनुभव प्राप्त करने में चुनौती, अन्य शिक्षकों और विशेषज्ञों के साथ नेटवर्किंग करने में चुनौती, आधुनिक तकनीक का उपयोग करने में चुनौती, विद्यार्थियों की विविधता के कारण चुनौती, शिक्षकों की भूमिका और जिम्मेदारियों को समझने में चुनौती, पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों को समझने और उनका प्रभावी ढंग से उपयोग करने में चुनौती, मूल्यांकन और परीक्षा प्रणाली को समझने और उसका प्रभावी ढंग से उपयोग करने में चुनौती, शिक्षण के नए तरीकों को समझने और उनका प्रभावी ढंग से उपयोग करने में चुनौती, कक्षा में अनुशासन बनाए रखने में चुनौती, विद्यार्थियों को प्रेरित करने एवं शिक्षकों के पेशेवर विकास में चुनौती।

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 2
March - April: 2026

उद्देश्य संख्या-2

डाइट द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रमों में डाइट व्याख्याताओं की चुनौतियों का अध्ययन करना।

सारणी संख्या 2
डाइट द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रमों में डाइट व्याख्याताओं की चुनौतियाँ

क्र.सं.	डाइट द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रमों में डाइट व्याख्याताओं की चुनौतियाँ	अनुत्तरित प्रतिशत	उत्तरदाता प्रतिशत
1	प्रशिक्षण की गुणवत्ता संबंधी चुनौती	10	90
2	विभिन्न पृष्ठभूमि और अनुभव वाले शिक्षकों को प्रशिक्षित करना	20	80
3	प्रशिक्षण की सामग्री और संसाधनों का प्रबंधन करना	30	70
4	शिक्षकों की आवश्यकताओं का आकलन करना	30	70
5	प्रशिक्षण के परिणामों का मापन करना	30	70
6	प्रशिक्षण का नियमित मूल्यांकन करना	30	70
7	संसाधनों की कमी	40	60
8	प्रशिक्षण की प्रासंगिकता बनाए रखना	40	60
9	प्रशिक्षण के प्रभाव का मूल्यांकन एवं अनुवर्ती कार्यवाही	40	60
10	शिक्षकों की रुचि और प्रेरणा बनाए रखना	50	50
11	प्रशिक्षण की अवधि और समय का प्रबंधन करना	50	50
12	प्रशिक्षकों की क्षमता और अनुभव की चुनौती	50	50
13	प्रशिक्षण की पहुँच और सुविधा सुनिश्चित करना	50	50
14	प्रशिक्षण की प्रभावशीलता सुनिश्चित करना	60	40
15	शिक्षकों का समर्थन और मार्गदर्शन करना	60	40
16	प्रशिक्षण की निरंतरता सुनिश्चित करना	60	40
17	प्रशिक्षण की पहुँच में असमानता को दूर करना	60	40
18	प्रशिक्षकों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करना	70	30

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 2
March - April: 2026

क्र.सं.	डाइट द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रमों में डाइट व्याख्याताओं की चुनौतियाँ	अनुत्तरित प्रतिशत	उत्तरदाता प्रतिशत
19	प्रशिक्षण के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करना	70	30
20	प्रशिक्षण के परिणामों का उपयोग कर शिक्षकों के विकास में सुधार करना	80	20

सारणी संख्या 2 से निम्न परिणाम परिलक्षित होते हैं :-

डाइट द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रमों में डाइट व्याख्याताओं की चुनौतियों के अंतर्गत प्रशिक्षण की गुणवत्ता संबंधी चुनौतियों का प्रतिशत सर्वाधिक 90 प्रतिशत प्राप्त हुआ। अन्य चुनौतियाँ इस प्रकार हैं- विभिन्न पृष्ठभूमि और अनुभव वाले शिक्षकों को प्रशिक्षित करना, संसाधनों की कमी, प्रशिक्षण की प्रासंगिकता बनाए रखना, प्रशिक्षण की सामग्री और संसाधन का प्रबंधन करना, शिक्षकों की आवश्यकताओं का आकलन करना, प्रशिक्षण के परिणामों का मापन करना, प्रशिक्षण का नियमित मूल्यांकन करना, प्रशिक्षण के प्रभाव का मूल्यांकन करने और अनुवर्ती कार्यवाही करने की चुनौती, शिक्षकों की रुचि और प्रेरणा बनाए रखना एक चुनौती, प्रशिक्षण की अवधि और समय का प्रबंधन करना, प्रशिक्षकों की क्षमता और अनुभव की चुनौती, प्रशिक्षण की पहुँच और सुविधा सुनिश्चित करना, प्रशिक्षण की प्रभावशीलता सुनिश्चित करना, शिक्षकों का समर्थन और मार्गदर्शन करना एक चुनौती, प्रशिक्षण की निरंतरता सुनिश्चित करना, प्रशिक्षण की पहुँच में असमानता को दूर करना, प्रशिक्षकों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करना, प्रशिक्षण के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करना एवं प्रशिक्षण के परिणामों का उपयोग करके शिक्षकों के विकास में सुधार करने संबंधी चुनौतियाँ पायी गयी।

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 2
March - April: 2026

उद्देश्य संख्या-3

डाइट द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रमों में सेवारत शिक्षकों की चुनौतियों का अध्ययन करना।

सारणी संख्या 3

डाइट द्वारा चलाये जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सेवारत शिक्षकों की चुनौतियाँ

क्र.सं.	डाइट द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रमों में सेवारत शिक्षकों की चुनौतियाँ	अनुत्तरित प्रतिशत	उत्तरदाता प्रतिशत
1	नई तकनीकों का उपयोग करने में कठिनाई	12	88
2	प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान समय प्रबंधन करना	32	68
3	विषय की जटिलता को समझने में कठिनाई	43	57
4	प्रशिक्षण सामग्री की समझ में कठिनाई	46	54
5	प्रशिक्षक की शैली के अनुकूल न होना	58	42
6	समूह कार्य में सहयोग करने में कठिनाई	59	41
7	प्रश्न पूछने में हिचकिचाहट	60	40
8	नई जानकारी का एकीकरण करने में कठिनाई	61	39
9	प्रशिक्षण कार्यक्रम की लंबाई और थकान	62	38
10	प्रशिक्षण स्थल की सुविधाओं की कमी	64	36
11	प्रशिक्षक की विशेषज्ञता पर संदेह	69	31
12	प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रासंगिकता पर संदेह	72	28
13	नई पद्धतियों का उपयोग करने में कठिनाई	74	26
14	नई जानकारी को छात्रों को समझाने में कठिनाई	76	24
15	प्रशिक्षण कार्यक्रम का मूल्यांकन करने में कठिनाई	77	23
16	प्रशिक्षण कार्यक्रम की लागत और बजट की कमी	78	22
17	प्रशिक्षक की उपलब्धता में कमी	81	19
18	प्रशिक्षण कार्यक्रम का समय और तिथि की समस्या	82	18
19	प्रशिक्षण सामग्री की गुणवत्ता में कमी	85	15

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 2
March - April: 2026

क्र.सं.	डाइट द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रमों में सेवारत शिक्षकों की चुनौतियाँ	अनुत्तरित प्रतिशत	उत्तरदाता प्रतिशत
20	प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्य को समझने में कठिनाई	87	13
21	प्रशिक्षण कार्यक्रम में भागीदारी को बढ़ावा देने में कठिनाई	88	12
22	प्रशिक्षण कार्यक्रम के बाद अनुवर्ती कार्यवाही करने में कठिनाई	88	12
23	प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रभाव को मापने में कठिनाई	89	11
24	प्रशिक्षण कार्यक्रम में सुधार करने में कठिनाई	92	8
25	प्रशिक्षण कार्यक्रम की निरंतरता और समर्थन में कमी	93	7

सारणी संख्या 3 से निम्न परिणाम परिलक्षित होते हैं :-

डाइट द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रमों में सेवारत शिक्षकों की चुनौतियों के अंतर्गत नई तकनीकों का उपयोग करने में कठिनाई संबंधी चुनौतियों का प्रतिशत सर्वाधिक 88 प्रतिशत प्राप्त हुआ। अन्य चुनौतियाँ इस प्रकार हैं- समय प्रबंधन, विषय की जटिलता, प्रशिक्षण सामग्री की समझ में कठिनाई, प्रशिक्षक की शैली के अनुकूल न होना, समूह कार्य में सहयोग करने में कठिनाई, प्रश्न पूछने में हिचकिचाहट, नई जानकारी का एकीकरण करने में कठिनाई, प्रशिक्षण कार्यक्रम की लंबाई और थकान, प्रशिक्षण स्थल की सुविधाओं की कमी, प्रशिक्षक की विशेषज्ञता पर संदेह, प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रासंगिकता पर संदेह, नई पद्धतियों का उपयोग करने में कठिनाई, नई जानकारी को छात्रों को समझाने में कठिनाई, प्रशिक्षण कार्यक्रम का मूल्यांकन करने में कठिनाई, प्रशिक्षण कार्यक्रम की लागत और बजट की कमी, प्रशिक्षक की उपलब्धता में कमी, प्रशिक्षण कार्यक्रम का समय और तिथि की समस्या, प्रशिक्षण सामग्री की गुणवत्ता में कमी, प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्य को समझने में कठिनाई, प्रशिक्षण कार्यक्रम में भागीदारी को बढ़ावा देने में कठिनाई, प्रशिक्षण कार्यक्रम के बाद अनुवर्ती कार्यवाही करने में कठिनाई, प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रभाव को मापने में कठिनाई, प्रशिक्षण कार्यक्रम में सुधार करने में कठिनाई एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम की निरंतरता और समर्थन में कमी।

उद्देश्य संख्या-4

डाइट द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रमों में डाइट प्राचार्य की चुनौतियों का अध्ययन करना।

सारणी संख्या 4

डाइट द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रमों में डाइट प्राचार्य की चुनौतियाँ

क्र.सं.	डाइट द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रमों में डाइट प्राचार्य की चुनौतियाँ	प्रतिशत
1	प्रशिक्षण की गुणवत्ता संबंधी चुनौती	100
2	प्रशिक्षण के परिणामों का नियमित मूल्यांकन करना	100
3	शिक्षकों की आवश्यकताओं का आकलन करना	75
4	प्रशिक्षण की प्रभावशीलता सुनिश्चित करना	75
5	प्रशिक्षण के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करना	75
6	प्रशिक्षण की अवधि और समय का प्रबंधन करना	50
7	शिक्षकों की रुचि और प्रेरणा बनाए रखना	50

सारणी संख्या 4 से निम्न परिणाम परिलक्षित होते हैं :-

डाइट द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रमों में डाइट प्राचार्य की चुनौतियों का विवरण इस प्रकार है- प्रशिक्षण की गुणवत्ता संबंधी चुनौती, प्रशिक्षण के परिणामों का नियमित मूल्यांकन करना, प्रशिक्षण की प्रभावशीलता सुनिश्चित करना, प्रशिक्षण के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करना, शिक्षकों की आवश्यकताओं का आकलन करना, प्रशिक्षण की अवधि और समय का प्रबंधन करना एवं शिक्षकों की रुचि और प्रेरणा बनाए रखना।

समग्र रूप से क्रमशः डी.एल.एड. प्रशिक्षणार्थियों, डाइट व्याख्याताओं, सेवारत शिक्षकों एवं डाइट प्राचार्यगणों ने डाइट की शिक्षा संस्थाओं के विकास में आने वाली निम्नलिखित चुनौतियों का अधिक सामना किया है—

1. नई शिक्षण पद्धतियों को समझने और उन्हें अपने शिक्षण में लागू करने में चुनौतियाँ।
2. प्रशिक्षण की गुणवत्ता संबंधी चुनौतियाँ।
3. नई तकनीकों का उपयोग करने में कठिनाई।
4. प्रशिक्षण के परिणामों का नियमित मूल्यांकन।

शैक्षिक निहितार्थ

डाइट शिक्षा संस्थान की उच्च प्राथमिक शिक्षा के विकास में चुनौतियों के अंतर्गत प्रशिक्षण की गुणवत्ता संबंधी, नई शिक्षण पद्धतियों को समझने और उन्हें अपने शिक्षण में लागू करने एवं नई तकनीकों का उपयोग करने में कठिनाई संबंधी चुनौतियों का अधिक सामना किया गया है।

ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 2
March - April: 2026

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा संबंधी चुनौतियों को कम करने के लिए निर्देशन कार्यक्रम, पर्यवेक्षण कार्यक्रम, पाठयोजना निर्माण, कक्षा शिक्षण कार्यक्रम पर विशेष जोर देना होगा। नवीन शिक्षण विधियों, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, शोध आधारित शिक्षण तथा समसामयिक शैक्षिक परिवर्तनों से परिचित कराना आवश्यक है।

संदर्भ सूची

1. अग्रवाल, जे.सी. (2010). शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय आधार. नई दिल्ली : विकास पब्लिशिंग हाउस।
2. एन.सी.ई.आर.टी. (2005). राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा. नई दिल्ली : एनसीईआरटी।
3. एन.सी.ई.आर.टी. (2012). शिक्षक शिक्षा : संदर्भ एवं चुनौतियाँ. नई दिल्ली : एनसीईआरटी।
4. एन.सी.टी.ई. (2014). डी.एल.एड. शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए विनियम एवं मानदंड. नई दिल्ली।
5. कपिल, एच.के. (2006). सांख्यिकी के मूल तत्व. आगरा : विनोद पुस्तक मंदिर।
6. कुमार, के. (2005). शिक्षा, समाज और पाठ्यचर्या. नई दिल्ली : ओरिएंट ब्लैकस्वान।
7. डाइट, राजस्थान - डाइट की भूमिका एवं कार्य. राज्य शिक्षा विभाग, राजस्थान।
8. भारत सरकार (1986). राष्ट्रीय शिक्षा नीति-1986. नई दिल्ली।
9. भारत सरकार (1992). राष्ट्रीय शिक्षा नीति-1986 की कार्ययोजना. नई दिल्ली।
10. भारत सरकार (2009). निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009. नई दिल्ली।